



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Raju Kumar

05/11/2001 06:36

Darbhanga

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	05/11/2001
जन्म का समय	06:36
जन्म स्थान	Darbhanga
अक्षांश	26.1542045
देशान्तर	85.8918454
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.88733723126233
सूर्योदय	06:00:00
सूर्यास्त	17:00:59

घटक चक्र

महीना	सोम
तिथि	2 (द्वितीय), 7 (सप्तमी), 12 (द्वादशी)
विपरीत लिंग लग्न	मकर
नक्षत्र	
भगवान	बुध
समलिंगी लग्न	कैंसर
Tatva	पृथ्वी
रासी	कुंभ

पंचांग विवरण

तिथि	चतुर्थी
योग	शिव
नक्षत्र	मृगशिरा
करण	बलवा

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	शूद्र
वास्या	मानव
योनि	सौँप
तिथि	कृ.चतुर्थी
नक्षत्राधिपति	मंगल
नक्षत्र	मृगशिरा
प्रबल	तुला
Tatva	वायु
करण	कौलव
नक्षत्र स्वामी	बुध
दलदल	चांदी
नाम वर्णमाला	वे
रासी	मिथुन
नाड़ी	पित्त

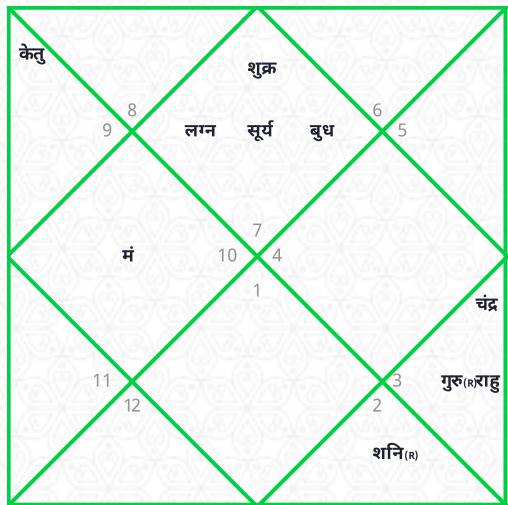
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नेश		तुला	206.23102742950272	शुक्र	विशाखा(2)	बृहस्पति	1
सूर्य		तुला	198.80322044132845	शुक्र	स्वाति(4)	राहु	1
चंद्रमा		मिथुन	64.63809051649434	बुध	मृगशिरा(4)	मंगल	9
मंगल		मकर	281.87238015317143	शनि	श्रवण(1)	चंद्रमा	4
बुध		तुला	181.9939751147294	शुक्र	चित्र(3)	मंगल	1
बृहस्पति		मिथुन	81.79977042544633	बुध	पुनरवसु(1)	बृहस्पति	9
शुक्र		तुला	181.7307050720487	शुक्र	चित्र(3)	मंगल	1
शनि		वृषभ	49.76135869066784	शुक्र	रोहिणी(3)	चंद्रमा	8
राहु		मिथुन	65.51566561625606	बुध	मृगशिरा(4)	मंगल	9
केतु		धनु	245.51566561625606	बृहस्पति	मुला(2)	केतु	3

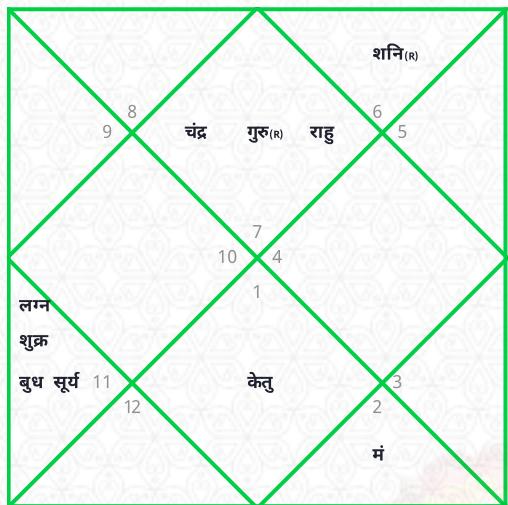
 <p>सूर्य तुला स्वाति(4)</p> <p>नुकसानदायक</p>	 <p>चंद्रमा मिथुन मृगशिरा(4)</p> <p>तटस्थ</p>	 <p>मंगल मकर श्रवण(1)</p> <p>मारक</p>
 <p>बुध तुला चित्र(3)</p> <p>अत्यधिक लाभकारी</p>	 <p>बृहस्पति मिथुन पुनरवसु(1)</p> <p>नुकसानदायक</p>	 <p>शुक्र तुला चित्र(3)</p> <p>लाभकारी</p>
 <p>शनि वृषभ रोहिणी(3)</p> <p>योगकारक</p>	 <p>राहु मिथुन मृगशिरा(4)</p> <p>अशुभ</p>	 <p>केतु धनु मुला(2)</p> <p>अशुभ</p>

राशिफल चार्ट

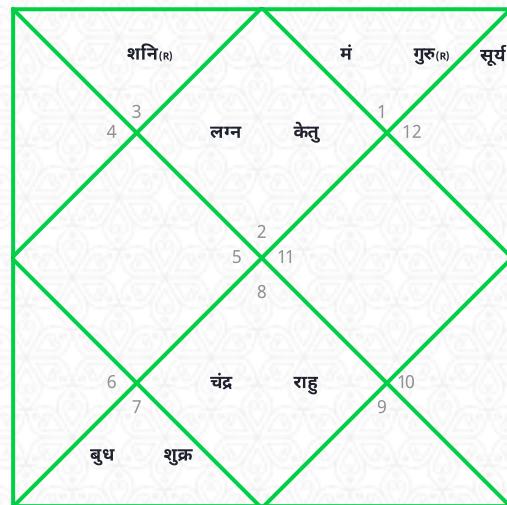
लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)



लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली



नवमांश चार्ट(D9)

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
चंद्रमा	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
बुध	दुश्मन	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दुश्मन	--
बृहस्पति	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	तटस्थ	--	दुश्मन	तटस्थ	कटूर दुश्मन	--
चंद्रमा	तटस्थ	--	--	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	अंतरङ्ग	तटस्थ	--	तटस्थ	तटस्थ	दोस्त	--
बुध	तटस्थ	कटूर दुश्मन	--	--	दुश्मन	तटस्थ	--
बृहस्पति	तटस्थ	तटस्थ	--	कटूर दुश्मन	--	कटूर दुश्मन	--
शुक्र	कटूर दुश्मन	कटूर दुश्मन	--	तटस्थ	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	कटूर दुश्मन	तटस्थ	--	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	--

विंशोत्तरी दशा - 1

मंगल	
गुरु मई 02 1996	बुध दिसंबर 04 2002
मंगल	मई 02 1996
राहु	मई 20 1997
बृहस्पति	अप्रैल 26 1998
शनि	जून 05 1999
बुध	जून 01 2000
केतु	अक्टूबर 28 2000
शुक्र	दिसंबर 28 2001
सूर्य	मई 05 2002
चंद्रमा	दिसंबर 04 2002

राहु	
मंगल अगस्त 16 2005	सोम नवंबर 30 2020
राहु	अगस्त 16 2005
बृहस्पति	जनवरी 09 2008
शनि	नवंबर 14 2010
बुध	जून 02 2013
केतु	जून 20 2014
शुक्र	जून 19 2017
सूर्य	मई 14 2018
चंद्रमा	नवंबर 13 2019
मंगल	नवंबर 30 2020

बृहस्पति	
बुध जनवरी 18 2023	गुरु नवंबर 27 2036
बृहस्पति	जनवरी 18 2023
शनि	जुलाई 31 2025
बुध	नवंबर 05 2027
केतु	अक्टूबर 11 2028
शुक्र	जून 11 2031
सूर्य	मार्च 29 2032
चंद्रमा	जुलाई 29 2033
मंगल	जुलाई 05 2034
राहु	नवंबर 27 2036

शनि	
बुध नवंबर 30 2039	बुध नवंबर 24 2055
शनि	नवंबर 30 2039
बुध	अगस्त 08 2042
केतु	सितंबर 17 2043
शुक्र	नवंबर 16 2046
सूर्य	अक्टूबर 29 2047
चंद्रमा	मई 29 2049
मंगल	जुलाई 08 2050
राहु	मई 13 2053
बृहस्पति	नवंबर 24 2055

बुध	
रवि अप्रैल 21 2058	शुक्र नवंबर 18 2072
बुध	अप्रैल 21 2058
केतु	अप्रैल 18 2059
शुक्र	फरवरी 15 2062
सूर्य	दिसंबर 22 2062
चंद्रमा	मई 22 2064
मंगल	मई 19 2065
राहु	दिसंबर 06 2067
बृहस्पति	मार्च 12 2070
शनि	नवंबर 18 2072

केतु	
रवि अप्रैल 16 2073	शनि नवंबर 18 2079
केतु	अप्रैल 16 2073
शुक्र	जून 16 2074
सूर्य	अक्टूबर 22 2074
चंद्रमा	मई 23 2075
मंगल	अक्टूबर 19 2075
राहु	नवंबर 05 2076
बृहस्पति	अक्टूबर 12 2077
शनि	नवंबर 21 2078
बुध	नवंबर 18 2079

विंशोत्तरी दशा - 2

शुक्र		सूर्य		चंद्रमा	
शुक्र मार्च 19 2083	शुक्र नवंबर 13 2099	बुद्ध मार्च 03 2100	शनि नवंबर 14 2105	मंगल सितंबर 14 2106	बुद्ध नवंबर 13 2115
शुक्र मार्च 19 2083		सूर्य मार्च 03 2100		चंद्रमा सितंबर 14 2106	
सूर्य मार्च 18 2084		चंद्रमा सितंबर 02 2100		मंगल अप्रैल 15 2107	
चंद्रमा नवंबर 16 2085		मंगल जनवरी 08 2101		राहु अक्टूबर 14 2108	
मंगल जनवरी 16 2087		राहु दिसंबर 03 2101		बृहस्पति फरवरी 13 2110	
राहु जनवरी 15 2090		बृहस्पति सितंबर 21 2102		शनि सितंबर 14 2111	
बृहस्पति सितंबर 14 2092		शनि सितंबर 03 2103		बुध फरवरी 12 2113	
शनि नवंबर 14 2095		बुध जुलाई 09 2104		केतु सितंबर 13 2113	
बुध सितंबर 13 2098		केतु नवंबर 14 2104		शुक्र मई 14 2115	
केतु नवंबर 13 2099		शुक्र नवंबर 14 2105		सूर्य नवंबर 13 2115	

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	बृहस्पति	शनि दिसंबर 05 2020 रात 12:00 बजे	शुक्र दिसंबर 05 2036 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	शनि	सोम जनवरी 23 2023 बहुत सवेरे 4:48 बजे	मंगल अगस्त 05 2025 दोपहर 12:00 बजे
पर्यातर्दशा	चंद्रमा	सोम जुलाई 08 2024 बहुत सवेरे 5:56 बजे	सोम सितंबर 23 2024 सुबह 8:32 बजे
शुक्रशमदाशा	राहु	शुक्र जुलाई 19 2024 बहुत सवेरे 4:06 बजे	मंगल जुलाई 30 2024 शाम 5:41 बजे
प्रणादशा	केतु	गुरु जुलाई 25 2024 रात 10:02 बजे	शुक्र जुलाई 26 2024 दोपहर 2:13 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : तुला

विशेषताएँ	जंगम, हवादार, पश्चिम
भाग्यशाली रत्न	डायमंड
भगवान	शुक्र
प्रतीक	तराजू
उपवास का दिन	शुक्रवार

|ॐ अश्वधजाय विश्वे धनुर् हस्ताय धीमहि तत्रो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

तुला लग्न होने के कारण, आप स्वभाव से बहुत संतुलित हैं और अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। आप चिड़चिड़े, शांत, प्रतिभाशाली, सहज और तर्क, दूरदर्शिता और न्याय में उत्कृष्ट हो सकते हैं। आप कूटनीतिक बने रहेंगे और संभाल लेंगे। आसानी से बातचीत। आप विलासिता से प्यार करेंगे, अच्छे संयोजन के साथ आपको इस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिकूल संयोजनों के साथ आप उग्र, ईर्ष्यालु होंगे और आपके पास जो भी धन है उसे खो सकते हैं। आपको बच्चे होने में देरी होगी या परेशानी होगी वाले।

संतुलन और सद्ग्राव की आपकी अंतर्निहित भावना आपको जीवन के सभी पहलुओं में निष्पक्षता और सुंदरता की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप सामाजिक संबंधों को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 1 गृह मे है। आपके धन, स्थिति और विशेष रूप से रिश्तों में स्थिरता ही आप सभी के बारे में है। आप खुद को एक अच्छे दिखने वाले, शांत और सज्जन व्यक्ति के रूप में पेश करना चाहेंगे। मिठाई के लिए आपके पास इतनी लालसा होगी कि जोखिम हो सकता है आपका मधुमेह। आपको कई रूपों की कला में भी अच्छा स्वाद है।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

ध्यान और चिंतन के माध्यम से आंतरिक संतुलन विकसित करें। सुंदरता के प्रति आपका प्रेम आपको ईश्वर की सराहना की ओर ले जाए।

सकारात्मक लक्षण

कूटनीतिक

आकर्षक

सामाजिक

कलात्मक

नकारात्मक लक्षण

अनिर्णायिक

लोगों को प्रसन्न करने वाला

भोगवादी

सतही



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें